

संपादकीय
सेहत के व्रत

भारतीय परंपरा में नववरत्र का आगमन ऋतुओं के साथिकाल में होता है। ठंड की पूरी तरह विद्युत और ग्रीष्म ऋतु का आगमन। मानव शरीर सं मण काल से गुजर रहा होता है। बदलाव की तेला में खानपान के संयम का जहां आध्यात्मिक महावृत्त है, वहाँ सेहत से इसका गहरा दिश्ता है। नववरत्र जहां सेहत का पर्व है, वहाँ इसमें बेटी के सम्मान का गहरा संदेश डिपा है। जितनी पुरानी मानव भूमिता है, उतनी ही प्राचीन उपवास की परंपरा है। हिंदू धर्म ग्रंथों के अलावा बाबिल व कुरान में भी रोग उपवास के प्रसंग भिलते हैं। नववरत्र पर्व की शुरुआत के साथ उत्सव से व्रत परंपरा का निर्वहन पूरे देश में जरूर आता है। प्राथमिक तौर पर इसे धार्मिक अनुष्ठान के रूप में ही मन्या जाता है और उससे तमाम तरह की पौराणिक कथाएं और आस्थाएं तुड़ी हैं। दरअसल, हमारे ब्रह्म-गुणों ने दूरदर्शी नजरिया अपनाते हुए आम लोगों की सेहत से जुड़े विषयों को आसानी से जोड़ा ताकि जहां इनके अनुपालन में आध्यात्मिक पक्ष का संबल इनके बेहतर परिणाम ढेने में मिलेगा। वहाँ दूसरी ओर पीढ़ी-दर्पी-पीढ़ी इनका अनुपालन करके लोग स्वस्थ रहेंगे। यद्यपि व्रत विशुद्ध सेहत की समृद्धि का उप म है। यह बात अलग है कि हमने इस व्रत के दौरान इतना पौष्टि व गरिष्ठ भोजन खाना शुरू कर दिया है कि व्रत का औद्यत्य ही खत्म-सा होता बजाए आता है। दरअसल, उपवास काल में संपूर्ण जीवन शक्ति रोग के कारकों को दूर करने में लग जाती है। दूसरे बाब्दों में कहें तो शरीर व आमंत्रोधन से स्वास्थ्य प्राप्ति का सुगम साधन है व्रत। इसे यूं भी कह सकते हैं व्रत तारीफ़ और आस्थाकृति, मनसिक और आध्यात्मिक स्वच्छता के लिए अद्युक्त उपयोग है।

इस तरह उपवास भोजन त्यागने से शुरू होकर वास्तविक भूख लगने पर समाप्त हो जाता है। उपवास में न केवल शरीर बल्कि मन और आत्मा की भी शुद्धि होती है। उपवास काल में स्वतः ही मन परमात्मा की ओर लगता है। मन में अपूर्ण शांति का अनुभव होता है, जिससे आत्मा का परिष्कार होता है। सबसे महत्वपूर्ण लाभ तो यह है कि इससे हमारे पाचन-तंत्र को विश्राम मिलता है। इससे शरीर व आत्मा का शोधन होता है। संयमित जीवन से दृष्टि एकाग्र होती है। व्रत खोलते वर्त अत्यधिक सावधानी के साथ अत्यधिक हक्का और सुपाच्य भोजन ही तिया जाना चाहिए। व्रत तभी खोला जाना चाहिए जब हमें वास्तविक भूख का एहसास हो। यानी हमारे गले और मुंह में भूख की संवेदन का एहसास हो। अमरोतर पर हम ज्यादा खाना समझ व पहले के हिस्सा से आदर्श खाते हैं, यह जाने बिना कि क्या शरीर की यह वास्तविक भूख है यी या नहीं। आम लोग सोचते हैं कि खाना नहीं खाया, कमजोरी आ गई है। यदि गंभीरता से शारीरिक परिवर्तनों को महसूस करें तो व्रत के दौरान शरीर में शुद्ध का प्रवाह बढ़ता है और त्वचा लोटी और मुलायम हो जाती है। आयुर्वेद में कहा गया है कि हमें आथा पेट भोजन करना चाहिए, रक्त-चौथाई जल के लिए तथा एक-चौथाई आकाश तत्व यानी वायु के लिए छोड़ना चाहिए। इसके अलावा उपवास मोटापा कम करने का कारबर डिलाज है।

नजरिये का सुख

एक गंव में एक व्यक्ति ने गरीबी में भी मुश्किल से न्या घर बनाया। वह सहज व्यक्ति था। जैसे-तैसे मकान तो बना मगर मौसम की दुश्मियों से जूझने की ताकत मकान में न थी। बच्चों के मकान में पहुंचने से पहले ही पहली बरसात में मकान धूस्त हो गया। पी और बच्चे अपनी जमा-पूंछी के यूं भूमियों में भिलने से गहरे सदमे में थे। व्यक्ति को मकान गिरने की स्थना दी गई तो गंव लौटकर उसने जर्मी-दोज मकान देखा। इतने जूकसान के बाद भी व्यक्ति ने गंव में प्रसाद बांटा। उसने परमात्मा को धन्यवाद दिया। लोगों ने पूछा 'ये क्या है?' व्यक्ति बोला-यदि यही मकान अगर आठ दिन बाद गिरता तो मेरा एक भी बच्चा नहीं बचता। हम घर में जाने वाले थे। अपनी सकारात्मक सोच से वह व्यक्ति घटना के बाद जिदीभी भर इंश्वर को धन्यवाद देता हुआ प्रसन्न रहा।

आईपीएल 12 के फाइनल के लिए स्टैंडबाय रहेगा हैदराबाद का स्टेडियम

नई दिल्ली। एमए चिंदंबरम



स्टेडियम की तीन बंद दर्शक दीर्घियों का मसला हल नहीं होने की दशा में हैदराबाद का राजीव गांधी स्टेडियम 12 मई को इंडियन प्रीमियर लीग प्लेऑफ और फाइनल मैच के लिए स्टैंडबाय रहेगा। चेर्न्हाई के एमए चिंदंबरम स्टेडियम की तीन बंद

दर्शक दीर्घियों का मसला हल नहीं होने की दशा में हैदराबाद का राजीव गांधी स्टेडियम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ और 12 मई को फाइनल मैच के लिए स्टैंडबाय रहेगा। तमिलनाडु क्रिकेट संघ तीन दीर्घियों I, J और K के लिए स्थानीय नार

निगम से 2012 से अनापति प्रमाण पत्र नहीं ले सका है। बोर्ड

है कि मैच के दौरान इस स्टेडियम के तीनों स्टैंडेस खाली रहते हैं। इन तीनों स्टैंडेस (I, J और K) की अधिकतम क्षमता 12,000 है। यानी एक स्टैंड की क्षमता 4,000 है। नवंबर 2011 से इन तीन स्टैंडों का उपयोग नहीं किया गया है। बताया जाता है कि विवाद का मुख्य कारण स्टैंड से स्टैंडबाय बैन्यू होंगे। गैरतलब

के एक अधिकारी ने प्रेस ट्रस्ट को बताया, 'हम टीएनसीए से बात करेंगे क्योंकि हम चेर्न्हाई से अपने मैदान पर खेलने का अधिकार नहीं छीना चाहते, लेकिन तीनों स्टैंडेस के क्षमता में एक मौकाबले नहीं रहता।' इन्होंने कहा कि इन तीनों स्टैंडेस के क्षमता में एक मौकाबले नहीं रहता।

विवाद का मुख्य कारण स्टैंड से स्टैंडबाय बैन्यू होने की दशा में हैदराबाद का राजीव गांधी स्टेडियम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ और 12 मई को फाइनल मैच के लिए स्टैंडबाय रहेगा। तमिलनाडु क्रिकेट संघ तीन दीर्घियों I, J और K के लिए स्थानीय नार

निगम से 2012 से अनापति प्रमाण पत्र नहीं ले सका है। बोर्ड

है कि मैच के दौरान इस

स्टेडियम के तीनों स्टैंडेस खाली रहते हैं। इन तीनों स्टैंडेस (I, J और K) की अधिकतम क्षमता 12,000 है। यानी एक स्टैंड की क्षमता 4,000 है। नवंबर 2011 से इन तीन स्टैंडों का उपयोग नहीं किया गया है। बताया जाता है कि विवाद का मुख्य कारण स्टैंड से स्टैंडबाय बैन्यू होंगे। गैरतलब

है कि मैच के दौरान इस

स्टेडियम के तीनों स्टैंडेस खाली रहते हैं। इन तीनों स्टैंडेस (I, J और K) की अधिकतम क्षमता 12,000 है। यानी एक स्टैंड की क्षमता 4,000 है। नवंबर 2011 से इन तीन स्टैंडों का उपयोग नहीं किया गया है। बताया जाता है कि विवाद का मुख्य कारण स्टैंड से स्टैंडबाय बैन्यू होने की दशा में हैदराबाद का राजीव गांधी स्टेडियम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ और 12 मई को फाइनल मैच के लिए स्टैंडबाय रहेगा। तमिलनाडु क्रिकेट संघ तीन दीर्घियों I, J और K के लिए स्थानीय नार

निगम से 2012 से अनापति प्रमाण पत्र नहीं ले सका है। बोर्ड

है कि मैच के दौरान इस

स्टेडियम के तीनों स्टैंडेस खाली रहते हैं। इन तीनों स्टैंडेस (I, J और K) की अधिकतम क्षमता 12,000 है। यानी एक स्टैंड की क्षमता 4,000 है। नवंबर 2011 से इन तीन स्टैंडों का उपयोग नहीं किया गया है। बताया जाता है कि विवाद का मुख्य कारण स्टैंड से स्टैंडबाय बैन्यू होने की दशा में हैदराबाद का राजीव गांधी स्टेडियम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ और 12 मई को फाइनल मैच के लिए स्टैंडबाय रहेगा। तमिलनाडु क्रिकेट संघ तीन दीर्घियों I, J और K के लिए स्थानीय नार

निगम से 2012 से अनापति प्रमाण पत्र नहीं ले सका है। बोर्ड

है कि मैच के दौरान इस

स्टेडियम के तीनों स्टैंडेस खाली रहते हैं। इन तीनों स्टैंडेस (I, J और K) की अधिकतम क्षमता 12,000 है। यानी एक स्टैंड की क्षमता 4,000 है। नवंबर 2011 से इन तीन स्टैंडों का उपयोग नहीं किया गया है। बताया जाता है कि विवाद का मुख्य कारण स्टैंड से स्टैंडबाय बैन्यू होने की दशा में हैदराबाद का राजीव गांधी स्टेडियम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ और 12 मई को फाइनल मैच के लिए स्टैंडबाय रहेगा। तमिलनाडु क्रिकेट संघ तीन दीर्घियों I, J और K के लिए स्थानीय नार

निगम से 2012 से अनापति प्रमाण पत्र नहीं ले सका है। बोर्ड

है कि मैच के दौरान इस

स्टेडियम के तीनों स्टैंडेस खाली रहते हैं। इन तीनों स्टैंडेस (I, J और K) की अधिकतम क्षमता 12,000 है। यानी एक स्टैंड की क्षमता 4,000 है। नवंबर 2011 से इन तीन स्टैंडों का उपयोग नहीं किया गया है। बताया जाता है कि विवाद का मुख्य कारण स्टैंड से स्टैंडबाय बैन्यू होने की दशा में हैदराबाद का राजीव गांधी स्टेडियम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ और 12 मई को फाइनल मैच के लिए स्टैंडबाय रहेगा। तमिलनाडु क्रिकेट संघ तीन दीर्घियों I, J और K के लिए स्थानीय नार

निगम से 2012 से अनापति प्रमाण पत्र नहीं ले स